संस्थापक : शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी एवं अमर शहीद रमेश चन्द्र जी

www.punjabkesari.com

पंजाब केसरी

5 वर्षों में 1000 करोड़ का होगा प्रोटीन बार उद्योग

गुड़गांव, 22 जुलाई (ब्यूरो): चलते फिरते उर्जावान बनाने व थके हुए शरीर को फिर से नई शक्ति देने वाले प्रोटीन बार उद्योग आगामी 5 वर्षो में 1000 करोड़ रूपए का हो जाएगा। उद्योग संचालकों के मुताबिक मौजूदा समय में 22 से अधिक कंपनिया इस कारोबार में लगी है। इस वित्तीय वर्ष में बाजारों में इनकी 65 फीसदी हिस्सेदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक व अनुभवी उद्यमी लंदन बिजनेस स्कूल के एशिया रीजनल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य विजय उत्तरवार ने बताया भारत का प्रोटीन बार उद्योग अभी 200 करोड़ रुपये का है। जो आगामी 5 वर्षों में 1000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। उन्होने बताया कि खुद उनकी कंपनी भारत के अलग अलग राज्यों में है। जिसमें मुंबई, दिल्ली व बैंगलोर जैसे महानगर में उनके पावर स्नैक फूडस को अपना चुके है। उन्होने बताया कि इस क्षेत्र में 22 अन्य कंपनियाँ भी अपने पैर पसार रही हैं। उत्तरवार ने कहा कंपनी ने वितरण को लेकर अपने अनुभव और बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता के चलते इस वित्तीय वर्ष में 65 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। आज के उपभोक्ता शक्ति और स्वस्थ जीवनशैली चाहते हैं। जो स्वादिष्ट प्रोटीन व फाइबर से भरपूर स्नैक आहारों से ऊर्जा बढ़ाते हैं जिनसे भूख मिटती है और संतुलित पोषण भी मिलता है। कई ऐसे उपभोक्ता हैं जिन्हें चलते-चलते भोजन चाहिये। ऐसे प्रोटीन बार ही एक सस्ता व सुलभ विकल्प है। प्रोटीन बार्स प्रिजर्वेटिव्स, जो क्विनोआ, ओट्स, सोया, उड़द व चने जैसे सुपर अनाजों से बना है। जिसमें 35 प्रतिशत वसा होता है जो 2 से 5 घंटे तक स्थायी ऊर्जा देते हैं। जबकि खानपान की अनुचित आदतों के कारण 93 प्रतिशत भारतीयों में प्रोटीन की कमी है।

इस वितीय वर्ष में 65 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी का लक्ष्य